

राधिका झा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: ४ जनवरी, 2018

विषय:- आर०ई०सी० एवं पी०एफ०सी० पोषित योजना हेतु राज्य सरकार की अंशपूँजी की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 809/पिटकुल/नि०(वि०) दिनांक 05.12.2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आर०ई०सी० एवं पी०एफ०सी० में राज्य सरकार की अंशपूँजी के रूप में ₹० 1300.00 लाख (₹० तेरह करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नविवरणानुसार आर०ई०सी० एवं पी०एफ०सी० योजनाओं में व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख ₹० में)		
क्र०स०	आर०ई०सी० एवं पी०एफ०सी० की योजना	अंशपूँजी के रूप में अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	आर०ई०सी०-चतुर्थ (सी० 10009)	209.77
2	आर०ई०सी०- पंचम (3637)	80.5
3	आर०ई०सी०- षष्ठम् (5763)	218.83
4	आर०ई०सी०- बारह (7367)	145.93
5	आर०ई०सी०- चौदह (9030)	425.14
5	पी०एफ०सी०- चतुर्थ 09303013	219.83
	योग	1300.00

1- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण, बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा तथा धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में ही किया जायेगा। धनराशि आहरण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाय कि जिन पारेषण योजनाओं के लिये स्वयं के अंश के रूप में अंशपूँजी लगाई जायेगी उन योजनाओं की सक्षम स्तर से अनुमोदित लागत के सापेक्ष यथा, अनुमोदित अंशपूँजी की सीमा से अधिक निवेश नहीं किया जायेगा तथा यदि उक्त आधार पर कम धनराशि आवश्यक हो तो शेष राशि (पूर्व में अवमुक्त धनराशि सहित) को अप्रयुक्त रखने के बजाय समर्पित किया जाय।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उक्त कार्यों पर ही किया जायेगा। किसी भी स्थिति में इस धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय, साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष यदि कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे दिनांक 31.03.2018 से पूर्व शासन को समर्पित किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक, वित्तीय एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।



.....2

- 4- उक्त धनराशि का दिनांक 31.03.2018 तक व्यय करके उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालन सुनिश्चित की जायेगी।
- 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
- 7- योजनाओं में अंशपूर्जी की धनराशि किसी भी स्थिति में निर्धारित मानकों से अधिक व्यय नहीं की जायेगी। अंशपूर्जी की धनराशि लम्बे समय तक अप्रयुक्त न रहे।
- 8- परियोजनाओं को कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21, 30 एवं 31 के अन्तर्गत संलग्नक '1' में उल्लिखित संगत लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 272 /XXVII(2)/2017, दिनांक 01 जनवरी, 2018 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोक्त।

भवदीय,

(राधिका झा
सचिव।

संख्या: 37 /I(2)/2018-07(1)/08/2009, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त वर्णित संलग्न सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओवराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक- यथोक्त।

आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।

विषय:- आर0ई0सी0 एवं पी0एफ0सी0 पोषित परियोजना हेतु राज्य सरकार की अंशपूजी दिये जाने के सम्बन्ध में।

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	3	4
1	21	4801-बिजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-05-पारेषण एवं वितरण-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-06-पारेषण परियोजनाओं हेतु निवेश-30-निवेश/ऋण	1000.00
2	30	4801-बिजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-05-पारेषण एवं वितरण-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-03-पिटकुल को आर0ई0सी0 ऋण के सापेक्ष अंशपूजी-30- निवेश/ऋण	100.00
3	31	4801-बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज-05-पारेषण एवं वितरण-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 796-जनजाति क्षेत्र उप योजना-02-पिटकुल को आर0ई0सी0 ऋण के सापेक्ष अंशपूजी-30- निवेश/ऋण	200.00
		योग :-	1300.00

कुल (रु० तेरह करोड मात्र)


(लक्ष्मण सिंह)
अध्युक्त सचिव।